

पेशाब या शौच करने का तौर-तरीका

रेटगि:

वविरण: ?????? ?? ?????????? ????? ???? ?? ?????? ?? ?????? ?????? ?????? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ?????? (?? ?? ?????? ??) ?? ?????? ?? ?? ?? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ?? ?????? ??

श्रेणी: [पाठ](#) , [पूजा के कार्य](#) , [प्रार्थना](#)

द्वारा: Imam Mufti

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

उददेश्य

पैगंबर (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) द्वारा बताया गया पेशाब या शौच करने का तौर-तरीका सीखना।

अरबी शब्द

·????? - जसि दशा की और रुख कर के औपचारकि प्रार्थना (नमाज) करी जाती है।

·???? - वुजू।

·???? - इस्लामी अभविदन जैसे 'अस-सलामु अलैकुम'।

पेशाब या शौच करने जैसी सांसारकि चीज एक मुसलमान की स्वच्छता और शील की भावना से जुड़ी है। इसके बारे में कुछ भी अजीब या अलग नहीं है, क्योंकि इस्लाम में सचमुच सभी चीजें शामिल हैं, कुछ ऐसा जो कुछ लोगों में सुखद आश्चर्य पैदा करता है। पैगंबर के समय में भी, एक बहुदेववादी था जसिने सलमान फारसी से वस्मिय के साथ कहा, "आपके पैगंबर ने आपको सब कुछ सखाया है, यहां तक कि शौच कैसे करना है!" सलमान ने जवाब दिया, "हां, उन्होंने हमें पेशाब या शौच करते समय मक्का की दशा की ओर मुंह करने से मना किया है..."[1]

इस पाठ में हम पेशाब या शौच करने के तौर-तरीकों के बारे में वस्तितार से बताएंगे, जो कस्पष्ट रूप से मामूली हैं, लेकनि व्यक्तिगत स्वच्छता और धार्मिक पालन के बारे में बहुत कुछ बताता है।

(ए) पेशाब या शौच करने से पहले प्रार्थना

कुछ प्रार्थनाएं हैं जन्हें पेशाब या शौच करने वाले स्थान में प्रवेश करते या वापस आते समय पढ़ना चाहिए, चाहे वह बाथरूम में हो या बाहर प्रकृति में।

(ए) व्यक्तिको प्रवेश करने से पहले "बस्मिल्लाह" (मैं शुरू करता हूं अल्लाह के नाम से) कहना चाहिए, क्योंकि अल्लाह के दूत ने कहा:

“जनिन की आंखें आदम के पुत्रों की नग्नता को देखने से अवरुद्ध हो जाती हैं, जब उनमें से कोई पेशाब या शौच करने वाली जगह में प्रवेश करने से पहले ' बस्मिल्लाह' कहता है।” (अल-तरिम्ज़ी)

(बी) अल्लाह-हम्मा इनी आऊज़ो बीका मनि अल-खुबुथी वल-खबाईथ।

“ऐ अल्लाह, मैं नर और मादा शैतानों से आपकी शरण चाहता हूं।” (अबू दाउद , अल-तरिम्ज़ी)

अपने बाएं पैर से प्रवेश करें।

(बी) शौचालय के अंदर

क़बिला की दशा

एक मुसलमान को पेशाब करते या शौच करते समय क़बिला^[2] की ओर मुंह नहीं करना चाहिए। अल्लाह के दूत ने कहा:

“जब आप में से कोई भी पेशाब या शौच करने के लिए बैठता है, तो उसे क़बिला की ओर मुंह नही करना चाहिए और न ही उसकी ओर पीठ करना चाहिए।” (सहीह मुस्लमि)

आड

पेशाब या शौच करते समय हमें स्वयं को दूसरों की नजरों से छपिना चाहिए। अल्लाह के दूत ने ऊंची जमीन या खजूर के बगीचे के पीछे जाना चुना।^[3] यदि कोई व्यक्ति खुले में है और पेशाब या शौच करने के लिए उसे छपिने के लिए कुछ भी नहीं मलि रहा है, तो उसे सार्वजनिक दृष्टिसे दूर हो जाना चाहिए। पैगंबर के साथी ने बताया कि कैसे वह एक यात्रा पर पैगंबर के साथ थे, और जब पैगंबर को पेशाब या शौच आवश्यकता महसूस हुई, तो वे बहुत दूर चले गए।^[4]

जब घर से बाहर हों तो किसी को अपने नज्दी अंगों को तब तक नहीं खोलना चाहिए जब तक कवि जमीन पर न बैठ जाएं, क्योंकि इससे अधिक छपि जाता है।^[5] घर के अंदर, पहले सुनिश्चित करें कि आपने दरवाजा बंद कर दिया है और आप को कोई नहीं देख सकता है।

(सी) पेशाब या शौच करना

बैठना

घर से बाहर हों तो बैठकर पेशाब या शौच करना सर्वोत्तम है। ऐसी मुद्रा में बैठना बेहतर है जो अधिक छुपाने वाली हो, जिससे स्वयं पर या कपड़ों पर कोई छींटे न आये। यदि आवश्यकता हो और व्यक्ति को छींटे पड़ने का भय न हो, तो खड़े होकर पेशाब करना जायज़ है।

छींटे

स्वयं को और अपने कपड़ों को मूत्र के छींटों से बचने के लिए बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। यदि मूत्र या मल शरीर या कपड़ों के किसी हिस्से पर लग जाये, तो उन हिस्सों को भी धोना चाहिए, और उनमें से अशुद्धता को पूरी तरह से हटा देना चाहिए। अल्लाह के दूत दो कब्रों से गुजरे, और कहा:

“वास्तव में उन्हें दंडित किया जा रहा है, लेकिन कुछ ऐसे के लिए जो उन्हें तुच्छ लगता था: एक स्वयं को पेशाब से नहीं बचाता था, और दूसरा दुर्भावनापूर्ण अफवाह फैलाता था।” (सहीह अल-बुखारी)

नषिद्ध स्थान

इस्लाम उन जगहों पर पेशाब करने से मना करता है जहां से लोग गुजर सकते हैं, या वहां छाया की तलाश कर सकते हैं जैसे पार्क, क्योंकि यह लोगों को परेशान करने वाला है। पैगंबर ने कहा, "उन दो चीजों से डरो जिनसे शाप मिलता है।" लोगों ने पूछा, "ऐ अल्लाह के दूत, वे कौन सी दो चीजें हैं जो शाप देती हैं?" पैगंबर ने कहा:

“जब कोई व्यक्ति उस सड़क पर पेशाब या शौच करता है जहां लोग चलते हैं या उस स्थान पर जहां वे छाया खोजते हैं।” (अबू दाऊद)

इसके अलावा, रुके हुए पानी में पेशाब करना मना है, क्योंकि यह अल्लाह के दूत द्वारा मना किया गया था।^[6] यह स्पष्ट रूप से पानी को अशुद्ध बनाता है और इसका उपयोग करने वालों को परेशान करेगा।

बातचीत

पेशाब या शौच करने वाले व्यक्ति को '??-????? ?????' न कहें, या स्वयं पेशाब या शौच करते समय ईश्वर के नाम के सम्मान में '?? ?????? ??????' न कहें। ??-???? अल्लाह के खूबसूरत नामों में से एक है।

एक बार पैगंबर जब पेशाब कर रहे थे तो एक आदमी उनके पास से गुजरा और सलाम के साथ उसका अभिवादन किया। अल्लाह के दूत ने उससे कहा:

“यदि आप मुझे इस अवस्था में देखते हैं, तो मुझे अभिवादन न करें, क्योंकि यदि आप करते हैं, तो मैं जवाब नहीं दूंगा।” (इब्न माजा)

पेशाब या शौच करते समय बेवजह बोलना सही नहीं है।

मूत्रालय

चार कारणों से मूत्रालयों के इस्तेमाल से बचना चाहिए। सबसे पहला, कोई गोपनीयता नहीं होती है। गुप्तांग दखि जाते हैं, जो अशोभनीय और वर्जित है। दूसरा, छींटी से बचना लगभग असंभव है। तीसरा, कोई टॉयलेट पेपर नहीं होता है। चौथा, लोग कभी-कभी पेशाब करते समय बात करते हैं, जैसे शौचालय के अंदर आते ही छोड़ देना चाहिए!

(डी) सफाई वधि

(ए) बाएं हाथ का उपयोग करना

पैगंबर की पत्नी हफ्सा ने बताया कि वह अपने दाहिने हाथ का इस्तेमाल खाने, पीने, वुजू करने, कपड़े पहनने और देने और लेने के लिए करते थे; और वह अपने बाएं हाथ का इस्तेमाल दूसरे कामों के लिए करते थे।[\[7\]](#)

पेशाब करते समय लगी को दाहिने हाथ से नहीं छूना चाहिए, क्योंकि पैगंबर ने कहा:

“जब तुम में से कोई पेशाब करे तो वह अपना लगी को अपने दाहिने हाथ से न पकड़े और न ही अपने दाहिने हाथ से साफ करे।” (सहीह अल-बुखारी)

मल या मूत्र की सफाई करते समय आपको दाहिने हाथ से पोंछने की अनुमति नहीं है; इस काम के लिए बाएं हाथ का उपयोग किया जाना चाहिए, क्योंकि पैगंबर ने कहा:

“जब तुम में से कोई अपने आप को पोछे, तो वह अपने दाहनि हाथ का उपयोग न करे।” (सहीह अल-बुखारी)

(बी) सामग्री

टॉयलेट पेपर या पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है। दोनों का उपयोग करना बेहतर है। पेशाब या शौच करने के बाद सभी अशुद्धियों को सावधानी से हटाएं, क्योंकि पैगंबर ने पेशाब करने के बाद खुद को साफ करने में लापरवाही बरतने के खिलाफ चेतावनी दी थी:

“कब्र की अधिकांश सजा मूत्र की वजह से मलिंगी।” (इब्न माजा)

(सी) किसी भी अशुद्धता को तीन या अधिक बार धोना या मटिना चाहिए, और यह बेहतर है कि इसे साफ करने के लिए जो कुछ भी आवश्यक हो वह एक वषिम संख्या में होना चाहिए, क्योंकि पैगंबर ने कहा:

“जब आप में से कोई भी खुद को साफ करे तो एक वषिम संख्या में करे।” (अहमद)

हाथ धोने के बारे में

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, चार खाद्य जनित बीमारियों में से एक, कई अन्य बीमारियों के अलावा, बनिा धुले या अपर्याप्त रूप से धुले हाथों के कारण होता है। यह न केवल आसान काम है, बल्कि संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए हाथ धोना नंबर एक तरीका माना जाता है। अगर स्वास्थ्य अधिकारी आग्रह कर रहा है तो मुसलमानों को ऐसा करने के लिए और कतिना ध्यान देना चाहिए? सेंटरस ऑफ़ डीजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, हाथ अच्छी तरह धोने के लिए तीन प्रमुख तत्वों की आवश्यकता होती है: साबुन, बहता पानी और घर्षण। सक्रिय रूप से अपने हाथों और उंगलियों को साबुन से रगड़ें, झाग बनाएं जो आपके हाथों की सभी सतहों (आपकी उंगलियों सहित और आपके नाखूनों के नीचे) को कम से कम दस से पंद्रह सेकंड तक कवर करे। इसके बाद बहते पानी के नीचे अच्छी तरह से धोयें। अंगूठियों और लंबे नाखूनों पर ध्यान दें, इसमें बैक्टीरिया और गंदगी फंसते हैं। अपने हाथों को दोबारा दूषित होने से बचाने के लिए, नल को बंद करने से पहले इसे पानी या एक साफ कागज के तौलिये से धो लें। बेहतर होगा कनिल को चालू करने के लिए दूषित हाथ का उपयोग न करें। फिर अपने हाथों को एयर ड्रायर या नए डिसिपोजेबल तौलिये से सुखाएं।

(ई) शौचालय से नकिलने पर प्रार्थना

शौचालय से बाहर नकिलते समय, दाहनि पैर से बाहर नकिलें और कहें:

गुफरानक "मै आपकी क्षमा चाहता हूं।" (अबू दाउद, अल-तरिमज़ी)

फुटनोट:

[1] अल-तरिमज़ी

[2] औपचारकि प्रार्थना की दशा और काबा (अल्लाह का घर)

[3] सहीह मुस्लमि

[4] अल-तरिमज़ी

[5] "जब पैगंबर पेशाब या शौच करते, तो वो अपना कपड़ा तब तक नहीं उठाते जब तक कविह जमीन पर न बैठ जाएं।" (अल-तरिमज़ी)

[6] सहीह मुस्लमि

[7] मुसनद

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/index.php/hi/articles/23>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।